Krishna Bhajan

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

छोटो सो मेरो मदन गोपाल

आगे आगे गैया पीछे पीछे ग्वाल

बिच में मेरो मदन गोपाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

कारी कारी गैया गोरे गोरे ग्वाल

श्याम बरन मेरो मदन गोपाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

घास खाए गैया दूध पिवे ग्वाल

माखन खावे मेरो मदन गोपाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

छोटी छोटी लकुटी छोटे छोटे हाथ

बंसी बजावे मेरो मदन गोपाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

छोटी छोटी सखिया मधुबन बाग

रास रचावे मेरो मदन गोपाल

छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल

यशोदा का नंदलाला

ज़ु ज़ु ज़ू ज़ु ज़ू ज़ु ज़ु ज़ु ज़ु ज़ू

यशोदा का नंदलाला बृज का उजाला है

मेरे लाल से तो सारा जग झिलमिलाए

ज़ु ज़ु ज़ू ज़ु ज़ू ज़ु ज़ु ज़ु ज़ु ज़ू

रात ठंडी ठंडी हवा, गा के सुलाए

भोर गुलाबी पलकें, खोल के जगाए

दो अँखियों में तुझे बसाके

जाने कब से जागूँ

तू माँगे तो चाँद भी दे दूँ

तुझ से कुछ ना माँगूँ

खोल तू आँखें देख यहाँ हूँ

और नहीं कोई मैं तेरी माँ हूँ, ज़ु ज़ु ज़ू ...

तेरे लिये कैसे कैसे सपने सजाए, मेरे लाल से ...

जाने कब ये आती जाती

सांस कहाँ थम जाए

देख मुरझाता फूल टूट के

डाली से कब गिर जाए

तू जो मुझे माँ माँ ... माँ, रहके बुलाए

रूह को मेरी चैन आ जाए, ज़ु ज़ु ज़ू ...

सो जाए ऐसे फिर ना जागूँ जगाए, मेरे लाल से ...

ऐसी लागी लगन मीरा हो गयी मगन

है आँख वो जो श्याम का दर्शन किया करे,

है शीश जो प्रभु चरण में वंदन किया करे।

बेकार वो मुख है जो रहे व्यर्थ बातों में,

मुख है वोजो हरीनाम का सुमिरन किया करे॥

हीरेमोती से नहीं शोभा है हाथकी।

है हाथ जो भगवान् का पूजन किया करे॥

मर के भी अमरनाम है उस जीवका जग में।

प्रभु प्रेम में बलिदान जो जीवन किया करे॥

ऐसी लागी लगन मीरा हो गयी मगन,

वो तो गली गली हरी गुण गाने लगी॥

महलों में पली बन के जोगन चली।

मीरा रानी दीवानी कहाने लगी॥

ऐसी लागी लगन मीरा हो गयी मगन।

वो तो गली गली गली हरी गुण गाने लगी॥

कोई रोके नहीं कोई टोके नही

मीरा गोविन्द गोपाल गाने लगी।

बैठी संतो के संग रंगी मोहन के रंग

मीरा प्रेमी प्रीतम को मनाने लगी।

वो तो गली गली हरी गुण गाने लगी॥

ऐसी लागी लगन, मीरा हो गयी मगन।

राणा ने विष दिया मानो अमृत पिया,

मीरा सागर में सरिता समाने लगी।

दुःख लाखों सहे मुख से गोविन्द कहे,

मीरा गोविन्द गोपाल गाने लगी।

वो तो गली गली हरी गुण गाने लगी॥

ऐसी लागी लगन मीरा हो गयी मगन।

वो तो गली गली हरी गुण गाने लगी ।।

मनिहारी का भेस बनाया

मनिहारी का भेस बनाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

छलिया का भेस बनाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

झोली कंधे धरी इसमें चूड़ी भरी

गलियों में शोर मचाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

राधा ने सुनी ललिता से कही

मोहन को तुरत बुलाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

चूड़ी लाल नहीं पहनु

चूड़ी हरी नहीं पहनु

मुझे श्याम रंग है भाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

राधा पहनन लगी

श्याम पहनने लगे

राधा ने हाथ बढाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

राधा कहने लगी

तुम हो छलिया बड़े

धीरे से हाथ दबाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

मनिहारी का भेस बनाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

छलिया का भेस बनाया

श्याम चूड़ी बेचने आया

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है

करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है

पतवार के बिना ही मेरी नाव चल रही है

बिन मांगे हे कन्हैया हर चीज मिल रही है

अब क्या बताऊ मोहन आराम हो रहा है

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है

मेरी जिंदगी में तुम हो किस बात की कमी है

मुझे और अब किसी की परवाह भी नही है

तेरी बदौलतो से सब काम हो रहा है

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है

दुनिया में होंगे लाखो तेरे जैसा कौन होंगा

तुज जैसा बंदा परवर भला ऐसा कौन होगा

अरे थामा है तेरा दामन आराम हो रहा है

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है